डॉक्टर के शब्द

अति लघु उत्तर लिखिए -

(क) फ़ैसला सुनाने वाले जज डॉक्टर रमन बन गए थे |

(ख) डॉ ० रमन अपने मरीज़ों से कहते थे , " तुम एक दिन पहले नहीं आ सकते थे | "

(ग) गोपाल अपनी वसीयत पर दस्तख़त करना चाहता था |

लघु उत्तर लिखिए -

(क) डॉ० रमन के पास मरीज़ बीमारी के आख़िरी दिनों में डॉक्टर की बड़ी फ़ीस और इससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह कि कोई यह नहीं मानना चाहता था कि आख़िरी समय आ गया है , डॉ० रमन के पास जाना चाहिए |

(ख) डॉ० रमन की मरीज़ को झूठा दिलासा देने की आदत नहीं थी | वह इस बात को नहीं मानते थे कि कुछ मीठे शब्द बोलकर ज़िन्दगी बचाई जा सकती है | किन्तु अपने मित्र की जान झूठ बोलकर और मीठे शब्दों का प्रयोग करके ही बचाई थी जिससे गोपाल के अंदर भी आत्मविश्वास आ गया और उसमें फिर से जीने की इच्छा जागी |

दीर्घ उत्तर लिखिए -

(क) डॉक्टर रमन की चारित्रिक विशेषताएँ निम्न प्रकार से है --

स्पष्टवादी - डॉक्टर रमन स्पष्टवादी थे | वे कभी भी झूठ बोलकर मरीज़ को अँधेरे में नहीं रखते थे |

आत्मविश्वासी - डॉक्टर रमन अपने पुरे आत्मविश्वास के साथ कहते कि एक दिन पहले नहीं आ सकते , अर्थात वह मरीज़ को बचाने में पूरा भरोसा रखते थे |

ईमानदार - डॉक्टर रमन ईमानदार थे | वे कभी किसी मरीज़ को झूठ बोलकर धोखा नहीं देते थे | ईमानदारी से सारा सच बता देते थे |

(ख) गोपाल और डॉक्टर की मित्रता गहरी थी क्योंकि वे दोनों चालीस सालों से एक - दूसरे के साथ थे | जब डॉक्टर रमन को गोपाल के बीमार होने का पता चला तो वह उसे देखने और उसका इलाज करने के लिए तुरंत निकल पड़े | गोपाल की बीमारी का पता चलने पर वह उसे ठीक करने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार थे | फिर भी वह उसे वसीयत पर दस्तख़त नहीं करने देते हैं क्योंकि यह एक तरह से उसकी मौत का फ़रमान साबित होगा | डॉक्टर रमन उससे झूठ बोलते हैं कि तुम जियोगे , तुम्हारा दिल बहुत मज़बूत है | यह कहकर उसके मन में जीने की इच्छा जगाते हैं |

(ग) 'तुम्हारे मुँह से निकली बात जरूर सच होगी ' ये शब्द गोपाल ने डॉक्टर रमन से इसलिए कहे क्योंकि उसे डॉक्टर रमन के स्वभाव के बारे में पता था कि वे स्पष्टवादी हैं , झूठ नहीं बोलते हैं | गोपाल ने यह शब्द सुनकर संतोष की साँस ली और डॉक्टर पर विश्वास करते हुए बेफ़िक्र होकर सो गया |